पाठ 13. साफ़-सफ़ाई रखो भाई

पाठ का परिचय

कवि चारों ओर फैली गंदगी के साथ-साथ मन में फैली गंदगी को भी दूर करने की बात कर रहे हैं। मन में व्याप्त धोखाधड़ी तथा जलन की भावना को दूर करना होगा। कवि स्वच्छता का मंत्र अपनाकर देश का कल्याण करने को कह रहे हैं। कवि कह रहे हैं कि गंदगी को मत पालो, स्वच्छता का दीपक जलाओ और साफ़-स्वच्छ रहकर सुंदर विश्व की रचना करो। कवि कहते हैं कि गंदगी के दूर होने से खुशियों का संसार बसेगा। बस्ती साफ़-सुथरी होगी और देह और मन शुद्ध रहेगा। कवि सभी को मिलकर स्वच्छ राष्ट्र का सुंदर गान गाने को कह रहे हैं।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

तन की शुद्धता के साथ-साथ मन की शुद्धता पर भी ध्यान दें। स्वच्छता खुशियों का संसार देगी। सबल जीवन का दान देगी।

पाठ का वाचन

कविता पाठ करते हुए बीच-बीच में प्रश्न पूछें। कविता का भाव प्रश्नोत्तर विधि से स्पष्ट करें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों के आधार पर चर्चा करें –

- तुम घर पर साफ़-सफ़ाई रखने के लिए क्या करते हो?
- स्कूल की साफ़-सफ़ाई का ध्यान किस प्रकार रखा जा सकता है?
- मन की सफ़ाई रखने के लिए हमें क्या करना होगा?